तापमान
अधिकतम 27.0 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि कांकेर भूमि
रायपुर, गुरुवार 3 सितंबर 2026

12 कलेक्टोरेट शाखाओं में अचानक पहुंचे कलेक्टर...

12 बीएसएफ में चयन के बाद पहली बार गांव पहुंचने पर...

खबर संक्षेप

डूबने से ग्रामीण की मौत, मर्ग कायम

कांकेर। सरोना थानांतर्गत सरोना निवासी 54 वर्षीय रमेश कुमार निषाद पिता स्व. सुदर्शन निषाद का पानी में डूबने से 31 अगस्त को मौत हो गया। मृतक के पुत्र ने पुलिस को बताया कि उसके पिता खेत की ओर गए हुए थे। पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

तालाब में डूबने से बुजुर्ग की मौत विवेचना जारी

कांकेर। भानुप्रतापपुर थानांतर्गत मदैल निवासी 64 वर्षीय सहदूर उईके पिता बिसाऊ राम का शव 1 सितंबर की शाम 8 बजें तालाब में डूबा हुआ मिला। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार मृतक शौच करने के लिए खेत की तरफ गया था, लेकिन घर वापस नही आया। लंबे समय तक घर नही आने पर परिजन ने पता तलाश किया तब उसका शव गांव के तालाब में डूबा हुआ मिला। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

मौत प्रकरण पर परिजनों को मिली पांच लाख की मदद

कांकेर। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत संचालित निःशुल्क मत्स्यजीवी दुर्घटना बीमा योजना से ग्राम भिरवाही निवासी दिवंगत मत्स्य कृषक अशोक निषाद के परिवार को आर्थिक संबल मिला है।

24 जनवरी 2024 को दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी। मत्स्य पालन विभाग के प्रयासों से बीमा क्लेम की 5 लाख रुपए की राशि 1 सितंबर 2026 को उनकी पत्नी एवं उत्तराधिकारी रामकी बाई निषाद के बैंक खाते में जमा की गई।

6 लीटर कच्ची शराब बरामद, दो गिरफ्तार

कांकेर। भानुप्रतापपुर पुलिस ने आरोपी कराठी निवासी 34 वर्षीय उमेश यादव पिता भुनेश्वर यादव अवैध रूप से देशी महुआ शराब को बेचने के लिए रखा था।

पुलिस ने 3 लीटर महुआ शराब को जब्त कर धारा 34 (1) (क) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। कोरर पुलिस ने आरोपी कांटागांव निवासी 48 वर्षीय कृष्ण कोमरा पिता स्व. धनाजी के कब्जे से 6 लीटर महुआ शराब और नगद 150 रूपये को जब्त कर धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया।

प्रयास विद्यालयों में आज से तीसरी काउंसिलिंग

कांकेर। प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा 9 वीं (सत्र 2026-27) में प्रवेश के लिए तृतीय काउंसलिंग 3 से 9 सितंबर तक आयोजित होगी। चयनित विद्यार्थियों की सूची विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। काउंसलिंग निर्धारित विद्यालय में सुबह 11 से शाम 4 बजे तक होगी। 4 से 6 सितंबर तक शासकीय अवकाश के कारण काउंसलिंग नहीं होगी। सीट रिक्त रहने पर प्रतीक्षा सूची के विद्यार्थियों की काउंसलिंग 10 से 15 सितंबर तक होगी। आवश्यक दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य है।

दिव्यांग छात्रवृत्ति के लिए 30 तक ऑनलाइन मौका

कांकेर। दिव्यांग विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने संचालित दिव्यांगजन छात्रवृत्ति योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। कक्षा पहली से 12 वीं तक के पात्र विद्यार्थी 30 सितंबर 2026 तक नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। चयनित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति राशि डीबीटी के जरिए बैंक खाते में दी जाएगी। संस्थागत सत्यापन 15 अक्टूबर और जिला स्तरीय सत्यापन 30 अक्टूबर तक होगा।

हादसे को दावत दे रहे बिजली खंभे और तार, खैरकट्टा फीडर की गुणवत्ता पर सवाल

सड़क की ओर झुके खंभों से बढ़ा खतरा, रोड क्रॉसिंग पर सुरक्षा पट्टी भी नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पखांजुर

बिजली व्यवस्था को मजबूत करने और ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर विद्युत सुविधा पहुंचाने के लिए किए जा रहे कार्यों में लापरवाही अब लोगों की सुरक्षा पर भारी पड़ती नजर आ रही है।

कापसी सब स्टेशन के अंतर्गत खैरकट्टा फीडर में बिजली खंभों और तारों की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। खैरकट्टा गांव के समीप मुख्य सड़क किनारे लगाए गए कई बिजली खंभे अभी से तिरछे होकर सड़क की ओर झुक गए हैं। सड़क क्रॉसिंग वाले स्थानों पर तारों के नीचे आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था नहीं किए जाने से ग्रामीणों और राहगीरों में हादसे का डर बना हुआ है।

सुरक्षा का गंभीर मामला

ग्रामीणों ने कहा यह सिर्फ बिजली व्यवस्था से जुड़ी समस्या नहीं, बल्कि लोगों की सुरक्षा का गंभीर मामला है। विभाग को समय रहते कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि किसी बड़े हादसे के बाद जिम्मेदारी तय करने की नौबत न आए। राहगीर रामदास, विष्णु लाल और घनश्याम वड्डे ने कहा कि सड़क की ओर झुके खंभों को देखकर हर समय दुर्घटना का डर बना रहता है।

शिकायत के बाद नहीं ली गई सुध

ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने इस समस्या को लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों से कई बार शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने विभाग से मांग की है कि बिजली खंभों की स्थिति की तत्काल जांच कराकर उन्हें दुरुस्त किया जाए और घटिया सामग्री अथवा लापरवाही के लिए जिम्मेदार ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जा रहा है और विभागीय अधिकारियों की निगरानी भी प्रभावी नहीं है। खैरकट्टा के समीप सड़क किनारे नहर से लगे स्थान पर लगाए गए बिजली खंभों की स्थिति देखकर इसकी तस्वीर साफ नजर आती है। खंभे सड़क की ओर झुके होने के कारण यहां से गुजरने वाले वाहनों के लिए खतरा बना हुआ है। यदि तेज हवा, बारिश या किसी अन्य कारण से खंभा गिरता है तो बड़ी दुर्घटना हो सकती है। ग्रामीणों के मुताबिक सड़क पार करने वाले स्थानों पर बिजली के तारों के नीचे सुरक्षा पट्टी नहीं लगाई गई है। इससे वाहन चालकों और राहगीरों को हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ▶▶ शेष पेज 10 पर

झारावंडी में सड़क पर दिखा बाघ, परलकोट में हाइना से भ्रम की आशंका

कांकेर-महाराष्ट्र सीमा पर बाघ आने की चर्चा से दहशत, पर सुराग नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कांकेर

जंगल से सटे इलाकों में बाघ की मौजूदगी की खबर भर से ग्रामीणों के बीच दहशत का माहौल बन जाता है। इन दिनों कांकेर जिले से लगे महाराष्ट्र सीमा क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी की जानकारी सामने आ रही है, लेकिन परलकोट में जिस गांव में बाघ के आने की खबर को लेकर सबसे ज्यादा हल्ला मचा हुआ है, वहां वन विभाग की जांच में अब तक बाघ की मौजूदगी का कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला है। ग्रामीणों द्वारा बताए गए संभावित स्थानों पर बाघ के पदचिन्ह तलाशे गए, लेकिन तलाश का नतीजा शून्य रहा। कांकेर-महाराष्ट्र सीमा से लगे जंगलों में वन्यजीवों की आवाजाही कोई नई बात नहीं है। घने जंगल और प्राकृतिक आवास होने के कारण इस क्षेत्र में बाघ ▶▶ शेष पेज 10 पर

- ग्रामीणों ने वन विभाग से फौरन तालाश करने और राहत दिलाने की मांग की

बाघ की दहशत, सबूत नहीं मिले

कांकेर जिले के पखांजुर एवं बांदे तहसील के अंतर्गत मरोड़ा, पेट्रोल पंप क्षेत्र, पीव्ही-19 और पीव्ही-22 गांवों में बाघ देखे जाने की खबर से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया। सूचना के बाद वन विभाग की टीम ने संभावित क्षेत्रों में बाघ के पदचिन्ह और अन्य साक्ष्य तलाशे गए, लेकिन अब तक कहीं भी बाघ की मौजूदगी की पुष्टि करने वाला ठोस प्रमाण नहीं मिला है। इससे बाघ के गांवों तक पहुंचने को लेकर लगाए जा रहे कयासों पर फिलहाल विराम लगा है।

कांकेर सीमा से 15 किमी. दूर दिखा, टीम की है नजर

पश्चिम वन मंडल के वनमंडलाधिकारी एस. नवीन ने इस मामले में हरिभूमि से चर्चा करते हुए बताया कि महाराष्ट्र वन विभाग के अमले ने पुष्टि की है कि कांकेर सीमा से लगभग 15 किलोमीटर दूर झारावंडी में सड़क पर बाघ दिखाई दिया था। मंगलवार, 1 सितंबर को भी बाघ के दिखाई देने की जानकारी मिली है। हालांकि, बाघ का मूवमेंट फिलहाल महाराष्ट्र क्षेत्र में ही है और कांकेर सीमा क्षेत्र में अभी तक उसकी मौजूदगी ट्रैप नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि कांकेर सीमा से लगे इस इलाके में हाइना (लकड़बग्घा) का भी मूवमेंट है। संभव है कि हाइना को देखकर किसी तरह का भ्रम हुआ हो और उसे बाघ समझ लिया गया हो। वन विभाग की टीम लगातार संभावित स्थानों पर भ्रमण कर बाघ की मौजूदगी के प्रमाण तलाश रही है। वनमंडलाधिकारी ने बताया कि जिस गांव से बाघ देखे जाने की सूचना मिलती है, वहां वन विभाग की टीम लगातार पहुंचकर पदचिन्ह और अन्य संभावित साक्ष्यों की जांच करती है। फिलहाल कांकेर जिले के परलकोट क्षेत्र में कहीं भी बाघ के पदचिन्ह नहीं मिले हैं।

दिनदहाड़े ताला तोड़कर घर में चोरी की कोशिश की, ग्रामीणों ने चोर को दबोचा

घर लौटते ही महिला ने सुनी अंदर से आवाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कांकेर

दिनदहाड़े सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी करने पहुंचे युवक की कोशिश उस वक्त नाकाम हो गई, जब खेत से घर लौटी महिला ने मकान के अंदर से संदिग्ध आवाज सुन ली। महिला ने तत्काल आसपास के ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी। देखते ही देखते ग्रामीणों ने घर को घेर लिया। आरोपी पीछे के दरवाजे से भागने का प्रयास कर रहा था, लेकिन ग्रामीणों ने पीछा कर उसे दबोच लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। घटना नरहरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कोचवाही की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम कोचवाही निवासी महिला 1 सितंबर को सुबह करीब 8 बजे अपने बड़े बेटे ब्रम्हानंद कोरेटी के साथ घर में ताला लगाकर खेत में काम करने गई थी। दोपहर करीब ढाई बजे महिला खेत का काम छोड़कर नरहरपुर बाजार जाने के लिए घर लौटी। घर पहुंचने पर मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। दरवाजे के अंदर से संकल लगी थी। इसी दौरान महिला को घर के भीतर से आलमारी का लॉक तोड़ने की आवाज सुनाई दी। स्थिति को भांपते हुए महिला ने शोर मचाकर पड़ोसी दशोदा दर्रो, नकुल राम कोर्राम सहित अन्य ग्रामीणों को बुलाया। ग्रामीणों के पहुंचते ही घर के अंदर मौजूद आरोपी

ने पीछे की ओर स्थित दरवाजा खोला और बाड़ी की तरफ से भागने लगा। इस पर महिला के बेटे ब्रम्हानंद कोरेटी, नकुलराम कोर्राम, देवकरण, दशोदा दर्रो सहित अन्य ग्रामीणों ने उसका पीछा किया और कुछ दूरी पर उसे पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान गांव के ही 36 वर्षीय संजय कोरेटी पिता स्व. नंदू राम कोरेटी के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपी ने कथित तौर पर चोरी की नीयत से घर में प्रवेश करने की बात स्वीकार की।

आरोपी ने घर का मुख्य ताला तोड़ने के साथ ही आलमारी का लॉक भी तोड़ दिया था। हालांकि ग्रामीणों की सतर्कता के चलते वह घर से सामान चोरी कर पाता, उससे पहले ही पकड़ लिया गया। महिला की रिपोर्ट पर थाना नरहरपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 331(3), 305 एवं 62 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त गैती और टूटा हुआ ताला भी जब्त किया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

मनमाना किराया, नाइट चार्ज व यात्रियों से दुर्व्यवहार पर अभाविप की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कांकेर

बसों में मनमाना किराया वसूली, टिकट नहीं देने, नाइट चार्ज और यात्रियों से दुर्व्यवहार जैसे मामलों को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का आक्रोश सड़क पर दिखाई दिया। परिषद के कार्यकर्ताओं ने जिला परिवहन अधिकारी के कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। एबीवीपी ने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो परिवहन कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

- एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई नहीं तो आरटीओ कार्यालय का करेंगे घेराव

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारियों ने बताया कि 19 जून को जिला परिवहन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर छह प्रमुख मांगें रखी थीं। इनमें सभी मार्गों पर निश्चित किराया लागू करने और यात्रियों को अनिवार्य रूप से टिकट देने, बसों व बस स्टैंड पर किराया सूची चस्पा करने, मनमानी किराया वृद्धि रोकने, अवैध नाइट चार्ज पर रोक, ओवरलोडिंग बंद करने तथा यात्रियों से शालीन व्यवहार सुनिश्चित करने और यात्री सहायता के लिए आरटीओ हेल्पलाइन नंबर जारी करने की मांग शामिल थी। परिषद का आरोप है कि ज्ञापन के बाद परिवहन विभाग ने कुछ बसों पर चालानी कार्रवाई की, लेकिन इसके बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। विभाग संयोजक आदित्य मिश्रा ने कहा कि एबीवीपी आरटीओ की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं है और बस यात्रियों की समस्याएं अब भी बनी हुई हैं। उन्होंने 31 अगस्त की घटना का उल्लेख करते हुए बताया कि कांकेर कॉलेज के छात्र संजीव विश्वकर्मा और उनकी बहनें रवीना व हंसिनी विश्वकर्मा कोरर बस स्टैंड से हबीबा ट्रेवल्स की बस में कांकेर लौट रहे थे। भीड़ के दौरान कंडक्टर से विवाद हुआ और कथित रूप से छात्र से मारपीट व दुर्व्यवहार किया गया। इसके बाद उन्हें तालाकुर्रा के पास उतार दिया गया। जिला संयोजक रिषिक तिवारी ने कहा कि परिषद केवल समस्या बताने वाला नहीं, बल्कि समाधान सुझाने वाला संगठन है। प्रदर्शन के बाद परिवहन अधिकारी ने एक सप्ताह के भीतर मांगों पर गंभीरता से कार्रवाई का आश्वासन दिया। एबीवीपी ने कहा कि कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा। प्रदर्शन में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य हर्ष सिन्हा सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जुआ खेलने पर बिफरे चाचा ने छड़ से की पिटाई, भतीजा अस्पताल में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कांकेर

नरहरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम चवांड़ में ताश-जुआ खेलने से मना करने की बात को लेकर चाचा-भतीजे के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि चाचा ने कथित तौर पर गाली-गलौज करते हुए भतीजे पर लोहे की छड़ से हमला कर दिया। मारपीट में घायल भतीजे को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार ग्राम चवांड़ निवासी 40 वर्षीय कपिल उइके ने थाना नरहरपुर में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में बताया गया कि 31 अगस्त को करीब दोपहर 3 बजे वह गांव के राजाराम निषाद की किराना दुकान के पास बैठा था। इसी दौरान सामने रहने

वाले उसके चाचा सूर्यकांत उइके को उसने ताश-जुआ नहीं खेलने की बात कही। आरोप है कि इस बात से नाराज होकर सूर्यकांत ने कपिल को अपने घर की ओर आने का इशारा किया।

कपिल के वहां नहीं जाने पर आरोपी कथित रूप से आवेश में उसके पास पहुंचा और अश्लील गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद पास में रखी लोहे की छड़ उठाकर कपिल के सीने और पीठ पर वार कर दिया। मारपीट के दौरान कपिल जमीन पर गिर गया। घटना के समय मौजूद राजाराम निषाद, बलदेव विश्वकर्मा और सुरेश वट्टी ने बीच-बचाव कर उसे छुड़ाया। बाद में बलदेव विश्वकर्मा और गौतम सिन्हा घायल कपिल को अमोड़ा अस्पताल ले गए, जहां उसका उपचार कराया गया।

घटना के दो दिन बाद 2 सितंबर को कपिल थाना नरहरपुर पहुंचा और लिखित शिकायत दी। पुलिस ने आवेदन के आधार पर आरोपी सूर्यकांत उइके के खिलाफ धारा 296, 115(2) और 351(3) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

व्रत-पूजन के बाद मध्यरात्रि में गूंजेगा नंद के घर आनंद भयो

जन्माष्टमी पर 15 वर्षों बाद विशेष संयोग, अष्टमी के साथ रोहिणी नक्षत्र का भी दुर्लभ योग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कांकेर

भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के रूप में बड़े ही उत्साह, उमंग और भक्ति भाव के साथ मनाया जाएगा। इस वर्ष जन्माष्टमी का पर्व धार्मिक दृष्टि से बेहद खास माना जा रहा है, क्योंकि पर्व के दौरान अष्टमी तिथि के साथ रोहिणी नक्षत्र का विशेष संयोग बन रहा है। धर्म शास्त्रों के अनुसार द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भी मध्यरात्रि में अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र में हुआ था। ऐसे में

इस बार बनने वाला यह संयोग 15 साल बाद श्रद्धालुओं के लिए विशेष महत्व रखता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार जन्माष्टमी के अवसर पर हर वर्ष अष्टमी तिथि का संयोग तो बनता है, लेकिन कई बार रोहिणी नक्षत्र का साथ नहीं मिलता। कुछ वर्षों में अष्टमी तिथि के दौरान चंद्रमा वृषभ राशि में स्थित होते हैं, लेकिन उस समय रोहिणी नक्षत्र नहीं रहता। इस बार अष्टमी तिथि, रोहिणी नक्षत्र और वृषभ राशि में चंद्रमा का संयोग होने के कारण पर्व का महत्व और भी बढ़ गया है। ▶▶ शेष पेज 10 पर

शैव और वैष्णव दोनों संप्रदाय मनाएंगे पर्व

इस वर्ष श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व 4 सितंबर को शैव और वैष्णव दोनों प्रमुख संप्रदायों द्वारा मनाया जाएगा। पर्व को लेकर मंदिरों में विशेष तैयारियां शुरू हो गई हैं। भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप का आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा। मंदिरों में पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और झांकियों का आयोजन होगा। श्रद्धालु मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव में शामिल होकर आरती और पूजा करेंगे।

अहाता निर्माण पर विवाद और दी जातिगत गाली एवं धमकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कांकेर

चारामा थाना क्षेत्र के ग्राम जैसाकर्रा में जमीन पर बाउंड्रीवाल निर्माण को लेकर विवाद के दौरान जातिगत गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अजाक थाना कांकेर ने दो लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार ग्राम दरगहन निवासी 58 वर्षीय गिरधारीलाल सुकदेवे ने 19 अगस्त को थाना अजाक कांकेर में लिखित शिकायत देते हुए बताया कि उनकी पत्नी चित्ररेखा सुकदेवे के नाम ग्राम जैसाकर्रा में खसरा नंबर 135/1, रकबा 0.15 हेक्टेयर की डायवर्टेड भूमि है। 17 अगस्त को वे उक्त भूमि पर मजदूरों के साथ बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए कॉलम के गड्ढों की जगह चिन्हित कर रहे थे।

इसी दौरान पड़ोसी पक्ष द्वारा कथित रूप से विवाद करते हुए जातिसूचक अपशब्द कहे गए तथा मारपीट और जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायतकर्ता ने पुलिस को दिए आवेदन में आरोप लगाया कि केजाराम सिन्हा टंगिया लेकर मौके पर पहुंचे और जाति संबंधी अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए जमीन पर निर्माण नहीं करने देने तथा जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि इसके बाद उनकी पत्नी पुष्पा सिन्हाk भी ▶▶ शेष पेज 10 पर

कलेक्टर का एग्रीस्टेक पंजीयन में एक सप्ताह के भीतर प्रगति लाने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

जिले के सभी राजस्व अधिकारियों सहित कृषि, सहकारिता, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, जिला विपणन संघ तथा विकास कार्यों से संबंधित विभागीय अधिकारियों की कलेक्टर कुंदन कुमार ने बैठक लेकर एग्रीस्टेक पंजीयन, डिजिटल क्रॉप सर्वे, स्वामित्व योजना, भू-आबंटन एवं भू-अर्जन की स्थिति सहित राजस्व प्रकरणों के निराकरण की विस्तृत समीक्षा की।

कलेक्टर ने एग्रीस्टेक पंजीयन की अनुभाग एवं तहसीलवार समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर लक्ष्य का 65 प्रतिशत पंजीयन पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 30 सितंबर से पहले जिले में एग्रीस्टेक पंजीयन का कार्य शत-प्रतिशत पूरा किया जाए। इस कार्य में जनपद पंचायत एवं सहकारिता से जुड़े विभागों का सहयोग लेने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने शहरी क्षेत्रों तथा शहरों से लगे ग्रामों में विशेष सावधानी बरतने कहा, ताकि एग्रीस्टेक पंजीयन में केवल कृषि भूमि ही शामिल हो। कलेक्टर ने डिजिटल क्रॉप सर्वे की प्रगति की भी समीक्षा की और एक सप्ताह के भीतर कार्य में अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सर्वे के दौरान विशेष सावधानी बरतने की हिदायत देते हुए कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे में केवल धान फसल को ही शामिल किया जाए। मक्का, सब्जी, रागी, कोदो-कुटकी आदि अन्य फसलों तथा तालाब जैसी गैर-कृषि मदों को डिजिटल क्रॉप सर्वे में शामिल नहीं किया जाना चाहिए। बैठक में शासकीय योजनाओं के लिए भू-आबंटन एवं भू-अर्जन प्रकरणों की भी समीक्षा की गई।

डिजिटल क्रॉप सर्वे में विशेष सावधानी बरतने दिए निर्देश

उपस्थित रहे

आयोजित बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी, अपर कलेक्टर कांकेर जितेन्द्र कुर्रे, अंतागढ़ एएस पैकरा, सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार सहित खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, सहकारिता, विपणन संघ, कृषि, मत्स्य पालन, विद्युत वितरण कंपनी, लोक निर्माण विभाग एवं उद्योग विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर कुंदन कुमार ने एकता नगर कांकेर में स्थापित होने वाले विद्युत सब स्टेशन कार्य से संबंधित भूमि आबंटन की समस्या का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए। चारामा विकासखंड के लखनपुरी स्थित औद्योगिक क्षेत्र में विद्युत सब स्टेशन की स्थापना के लिए सीएसआईडीसी द्वारा विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड को लीज पर आबंटित भूमि का यथाशीघ्र पंजीयन कराने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विभागीय योजनाओं एवं विकास कार्यों से जुड़े भूमि संबंधी प्रकरणों में अनावश्यक विलंब नहीं करने तथा प्राथमिकता के साथ कार्रवाई करने कहा है।

खबर संक्षेप

साइबर अपराध से बचाव पर छात्राओं को किया जागरूक

दुर्गूकोंदल। साइबर अपराध मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने के उद्देश्य से कांकेर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान के तहत सोमवार को नेताजी सुभाषचंद्र बोस कन्या आवासीय विद्यालय, एजुकेशन हब दुर्गूकोंदल में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में प्रधान आरक्षक कौशिल्या सोरी तथा आरक्षक रिम्पल पोटाई, मनीषा कुंजाम, सुशबू यादव, धनेश्वरी मंडावी एवं ममता दुग्गा ने छात्राओं को साइबर सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में समझाया। पुलिस टीम ने छात्राओं को बताया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर ओटीपी, पासवर्ड, बैंक खाते की जानकारी, एटीएम संबंधी विवरण अथवा अन्य संवेदनशील जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। सोशल मीडिया का उपयोग करते समय सावधानी बरतने, अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने तथा संदिग्ध मैसेज और फर्जी कॉल से सतर्क रहने की भी अपील की गई। साइबर ठगी होने पर तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करने तथा अभिव्यक्ति ऐप/पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी गई। इसके अलावा चाइल्ड हेल्पलाइन के संबंध में भी आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में नेताजी सुभाषचंद्र बोस कन्या आवासीय विद्यालय की अधीक्षिका शैलेन्द्री मरकाम, व्याख्याता सुभाष कुमार, पवन वर्मा, अक्षय कुमार तरदुले, अमिषा शर्मा, अंजली देवांगन, सुषमा ठाकुर एवं प्रियंका बघमरिया, शिक्षक अंजली पाण्डे एवं शिवशंकर, सहायक शिक्षक कंचन पटेल एवं प्रियंका निषाद सहित विद्यालय के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पर्व : महिलाओं ने रखा व्रत और पारंपरिक रीति से पूजन-अर्चना की, कथाएं सुनी

कमरछठ पर महिलाओं ने सामूहिक सगरी पूजा की एवं संतान की सुख-समृद्धि मांगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

जिलामुख्यालय में कई वार्डों में महिलाओं द्वारा पारंपरिक आस्था और श्रद्धा के साथ कमरछठ पर्व मनाया गया। इस अवसर पर वार्ड की महिलाओं ने एकत्र होकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा अपने परिवार और बच्चों के सुख, समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। पूजा स्थल पर धार्मिक और भक्तिमय वातावरण देखने को मिला। कमरछठ पर्व के अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में पहुंचकर पूजा में भाग लिया। महिलाओं ने पूजा स्थल को सजाया तथा परंपरा के अनुसार विभिन्न पूजा सामग्री अर्पित की। पूजा के दौरान महिलाओं ने श्रद्धापूर्वक व्रत रखते हुए धार्मिक रीति-रिवाजों का पालन किया। सामूहिक रूप से आयोजित इस पूजा में महिलाओं की विशेष भागीदारी रही। पूजा के दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे के साथ मिलकर पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर शिवनगर वार्ड में आपसी एकता और सामाजिक सौहार्द का भी सुंदर उदाहरण देखने को मिला। महिलाओं ने बताया कि कमरछठ पर्व का विशेष धार्मिक और पारंपरिक महत्व है तथा यह पर्व परिवार की खुशहाली और संतान के मंगल की कामना के लिए श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। पूजा स्थल पर सुबह से ही महिलाओं का पहुंचना शुरू हो गया था। सभी ने श्रद्धापूर्वक पूजा की तैयारियों में सहयोग किया। सामूहिक आयोजन के कारण महिलाओं में विशेष उत्साह नजर आया। पूजा संपन्न होने के बाद महिलाओं ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं और परिवार की सुख-शांति की कामना की।

चारामा अंचल में श्रद्धा-भक्ति से मनाया कमरछठ पर्व

चारामा। नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में बुधवार को कमरछठ (हलषष्ठी) पर्व श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। माताओं ने संतान की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना को लेकर दिनभर उपवास रखा। शाम को महिलाओं ने सामूहिक रूप से हलषष्ठी माता की पूजा-अर्चना कर कथा का श्रवण किया तथा भगवान बलराम का स्मरण किया। ग्राम जैसाकर्रा सहित विभिन्न पूजा स्थलों पर महिलाओं की भीड़ रही। पर्व को लेकर बाजारों में भी दिनभर चहल-पहल देखने को मिली। महिलाओं ने पारंपरिक पूजन सामग्री, फल एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी की। व्रती महिलाओं ने कहा कि कमरछठ छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति और मातृत्व प्रेम का प्रतीक है। पूरे क्षेत्र में दिनभर भक्तिमय वातावरण बना रहा।

शिवनगर में सामूहिक कमरछठ पूजा

शिवनगर में आयोजित सामूहिक कमरछठ पूजा में वार्ड की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन ने महिलाओं को एकजुट करने के साथ आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करने का कार्य किया। पूजा के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन करते हुए धार्मिक आस्था के साथ पर्व मनाया। आयोजन के माध्यम से भारतीय संस्कृति और लोक परंपराओं को आगे बढ़ाने की भावना भी दिखाई दी। महिलाओं ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं पारंपरिक आयोजन समाज को जोड़ने और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जनकपुर वार्ड में श्रद्धा-उल्लास से मनाया हलषष्ठी पर्व

नगर कांकेर के जनकपुर वार्ड टिकरापारा में पूर्व पार्षद पुष्पा बिछ्या के घर पर हलषष्ठी (हलछठ) पर्व विधि-विधान और श्रद्धा के साथ मनाया गया। वार्ड की महिलाओं ने उपवास रखकर संतान की लंबी आयु, सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा स्थल पर पसहर चावल, महुआ के पत्ते, काश के फूल सहित पारंपरिक सामग्रियों से पूजा-अर्चना की गई। महिलाओं ने सामूहिक रूप से हलषष्ठी की कथा सुनी। आयोजन में वार्ड की महिलाओं का विशेष सहयोग रहा।

धनेलीकन्हार में श्रद्धा-भक्ति से मनाया हलषष्ठी पर्व

धनेलीकन्हार। ग्राम धनेलीकन्हार के शीतला मंदिर प्रांगण में बुधवार को सैकड़ों व्रती महिलाओं ने निर्जला उपवास रखकर सामूहिक रूप से हलषष्ठी पर्व मनाया। महिलाओं ने संतान की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और अकाल मृत्यु से रक्षा की कामना करते हुए शिव-पार्वती की पूजा की। पूजा स्थल पर सगरी बनाकर उसे कुश, पलाश और झरबेरी के फूलों से सजाया गया। इस अवसर पर सरपंच मधु मंडावी, सेवती सेन, सरिता सेन, लीलावती सेन, मीना रावटे, सष्मीता सार्वा, हेमलता रावटे, मिना शर्मा, संतोषी नायक, सरस्वती नायक, सुनिता साहू, हेमेश्वरी बारला, परमेश्वरी निषाद, डेमेश्वरी मेरीहा, संध्या लाटिया, सुमित्रा कावडे, भुमिका लाटिया, निशा सेन, काजल सेन, दुरपत बारला, डोमेन्द्री बारला, तृप्ति सेन, रागिनी सेन, संतोषी कावडे, मोना सोनी, पामनी बारला, रेशम साहू, पायल जैन, कुंजलता दनात, नागेश्वरी जांगडे, परमिला ठाकुर, वैदही शोरी, शालु बारला, नागेश्वरी जांगडे, गायत्री बारला, किरण बारला, योगेश्वरी साहू, जागेश्वरी दनात, भारती, रानी साहू, जगमणी नायक, टिकेश्वरी सिवना एवं अन्य महिलाएं उपस्थित रही।

माहुरबंदपारा में धूमधाम से मनाया कमरछठ पर्व

कांकेर। माहुरबंदपारा में सामुदायिक भवन के पास पूरे मोहल्ले की महिलाओं ने एकत्र होकर कमरछठ (हलषष्ठी) पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर महिलाओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर संतान की सुख-समृद्धि और लंबी आयु की कामना की। पूजा स्थल पर पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजन सामग्री सजाई गई। महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा में भाग लिया और एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं। पूरे मोहल्ले में दिनभर भक्तिमय वातावरण बना रहा।

कुरना में श्रद्धा-भक्ति से मनाया हलषष्ठी पर्व

कांकेर। ग्राम कुरना में हलषष्ठी (खमरछठ) पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। गांव की माताओं एवं महिलाओं ने संतान की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर कठिन निर्जला व्रत रखा। पूजा के लिए गांव में पंडाल सजाकर सगरी का निर्माण किया गया, जहां महिलाओं ने पारंपरिक विधि-विधान से भगवान शिव-पार्वती एवं हलषष्ठी माता की पूजा-अर्चना कर कथा सुनी। पूजा में काशी, पसहर चावल, छह प्रकार की भाजी तथा लाई-महुआ का नैवेद्य अर्पित किया गया। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने सामूहिक रूप से संतान की रक्षा और सुख-समृद्धि की कामना की।

वाटिनटोला में नल-जल योजना फेल, टंकी अधूरी

दुर्गूकोंदल। विकासखंड दुर्गूकोंदल के ग्राम वाटिनटोला में नल-जल योजना के तहत शुरू कराया गया पानी टंकी निर्माण कार्य पिछले करीब डेढ़ साल से अधूरा पड़ा हुआ है। पानी टंकी के साथ गांव में पाइपलाइन विस्तार का कार्य भी पूरा नहीं होने के कारण ग्रामीणों को अब तक घर-घर नल के माध्यम से पानी मिलने का इंतजार है।

ग्रामीण रैनू उयका ने बताया कि घर-घर नल से पानी पहुंचाने की योजना को लेकर ग्रामीणों में काफी खुशी थी। उन्हें उम्मीद थी कि योजना पूरी होने के बाद गांव में

पेयजल के लिए होने वाली परेशानियां कम होंगी। लेकिन करीब डेढ़ साल से निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है। उन्होंने कहा कि टंकी कब पूरी होगी और गांव में पानी की सप्लाई आखिर कब शुरू होगी, इसकी स्पष्ट जानकारी ग्रामीणों को नहीं मिल पा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण एजेंसी अथवा ठेकेदार की लापरवाही के कारण कार्य समय पर पूरा नहीं किया जा रहा है। लंबे समय से निर्माण स्थल पर काम बंद रहने के कारण शासन की महत्वपूर्ण योजना का उद्देश्य भी प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने छत्तीसगढ़ शासन एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि वाटिनटोला में अधूरी पड़ी पानी टंकी एवं पाइपलाइन निर्माण कार्य की स्थिति की जांच कराकर जल्द से जल्द कार्य पूर्ण कराया जाए।

पेज 09 के शेष...

हादसे को दावत दे रहे ...

सड़क की ओर झुके खंभों के कारण बड़े वाहनों की आवाजाही में भी परेशानी होती है। उन्होंने जल्द सुधार नहीं होने पर विरोध प्रदर्शन की बात कही।

कांकेर-महाराष्ट्र सीमा ...

समेत अन्य वन्यप्राणियों की मौजूदगी समय-समय पर देखने को मिलती रही है। ऐसे में सीमा क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी की सूचना को पूरी तरह से नकारा नहीं जा सकता। हालांकि, किसी खास गांव में बाघ पहुंचने की पुष्टि के लिए उसके पदचिन्ह, कैमरा ट्रेप, प्रत्यक्ष दर्शन अथवा अन्य ठोस साक्ष्य जरूरी होते हैं। वन विभाग की जांच के दौरान ऐसा कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं मिला, जिससे यह पुष्टि हो सके कि बाघ वास्तव में उक्त गांव की सीमा तक पहुंचा था। खास तौर पर बाघ के पदचिन्ह नहीं मिलने से गांव में बाघ की मौजूदगी को लेकर उठ रहे सवाल और भी महत्वपूर्ण हो गए हैं। वन विभाग की जांच में फिलहाल हल्ला तो खूब, लेकिन सबूत सिफर जैसी स्थिति सामने आई है। वन विभाग की टीम लगातार रात को निगरानी कर रही है और संभावित क्षेत्रों में गश्त जारी है। आमजनता से अपील करते है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और बिना पुष्टि के बाघ देखे जाने की जानकारी सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से प्रसारित न करें। यदि किसी व्यक्ति को वास्तव में बाघ अथवा किसी अन्य वन्यजीव के दिखाई देने की जानकारी मिलती है तो तत्काल वन विभाग को जानकारी उपलब्ध करवाएं, जिससे हमारी टीम पहुँच सके।

जन्माष्टमी पर 15 ...

श्रद्धालुओं में जन्माष्टमी को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है। इसी कारण इस बार की जन्माष्टमी को धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से विशेष माना जा रहा है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जन्माष्टमी की पूजा में मध्यरात्रि का विशेष महत्व है। मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म इसी समय हुआ था। यदि मध्यरात्रि में अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र दोनों एक साथ विद्यमान हों, तो इसे अत्यंत शुभ और फलदायी माना जाता है। श्रद्धालु इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण का विधि-विधान से पूजन कर व्रत रखते हैं और मध्यरात्रि में जन्मोत्सव मनाते हैं।

अहाता निर्माण पर ...

मौके पर पहुंचीं और कथित रूप से जातिसूचक गाली-गलौज की। शिकायतकर्ता के अनुसार घटना के दौरान मौजूद मजदूर भी भयभीत हो गए। जांच में पुलिस ने शिकायत में लगाए गए आरोपों, गवाहों के कथनों तथा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर प्रथम दृष्टया अपराध घटित होना पाया। इसके बाद दोनों आरोपियों के विरुद्ध बीएनएस की धारा 296, 351(2), 3(5) तथा एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2), 3(1)(ध) के तहत अपराध क्रमांक 03/2026 दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

कमरछठ पर्व पर महिलाओं बच्चों का छलका उत्साह

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्गूकोंदल

दुर्गूकोंदल विकासखंड के आश्रित ग्राम कर्रामाड़ सहित दुर्गूकोंदल नगर, शिव मंदिर, आरईएस कॉलोनी एवं आसपास के पूरे अंचल में कमरछठ पर्व को लेकर सुबह से ही उत्साह और उल्लास का माहौल रहा। महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना कर अपनी संतान के उज्ज्वल भविष्य एवं सुखी जीवन की कामना की।

कमरछठ पूजा के दौरान महिलाओं ने अपने बच्चों की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि तथा जीवन में सफलता की कामना की। कर्रामाड़ में बिंदा बाई, यामिनी साहू, पुष्पा वर्मा, सीमा सलाम, महारीन बाई सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक कमरछठ का व्रत रखा। पूजा स्थल पर पारंपरिक वातावरण के साथ भक्ति और आस्था का माहौल देखने को मिला। दुर्गूकोंदल के शिव मंदिर, आरईएस कॉलोनी तथा नगर के विभिन्न स्थानों पर भी महिलाओं ने श्रद्धा एवं उल्लास के साथ कमरछठ पर्व मनाया। कई स्थानों पर महिलाएं समूह में एकत्रित हुईं और सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना कर पर्व की परंपराओं को निभाया। पूरे अंचल में सुबह से लेकर पूजा संपन्न होने तक धार्मिक एवं उत्सवी वातावरण बना रहा। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होकर पर्व की गरिमा बढ़ाई। कमरछठ के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं ने अपनी लोक संस्कृति, परंपरा और पारिवारिक मूल्यों को जीवंत बनाए रखा। दुर्गूकोंदल एवं आसपास के ग्रामीण अंचल में कमरछठ पर्व श्रद्धा, उमंग और उत्साह के साथ मनाया गया।

नाबालिग से अनाचार का आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर। शादी का झांसा देकर नाबालिग से अनाचार करने वाले आरोपी के खिलाफ पीड़िता की रिपोर्ट के 24 घंटे के भीतर बस्तर पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एसपी शलभ कुमार सिन्हा व एएसपी सुखनंदन राठौर के निर्देश, सीएसपी सुमित कुमार धोत्रे के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी बस्तर निरीक्षक संतोष सिंह के नेतृत्व में थाना स्तर पर टीम गठित किया गया था।

दुधावा बांध के शिव मंदिर में श्रद्धा भक्ति से मनाया कमरछठ पर्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुधावा

दुधावा बांध के ऊपर स्थित शिव मंदिर बुधवार को उस समय आस्था और भक्ति के रंग में रंग गया, जब कमरछठ (हलषष्ठी) पर्व पर बड़ी संख्या में माताएं एकत्रित हुईं। हाथों में पूजा की थाली, सगरी के चारों ओर सजी पारंपरिक पूजन सामग्री और संतान की मंगलकामना के भाव के साथ महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना की। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। माताओं ने व्रत रखकर अपने बच्चों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना की। कमरछठ पर्व पर महिलाओं ने विधि-विधान से सगरी तैयार कर भगवान शिव एवं कमरछठ माता की पूजा की। पूजा स्थल पर पारंपरिक सामग्री अर्पित कर महिलाओं ने संतान की खुशहाली और उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रार्थना की। बस स्टैंड दुधावा सहित आसपास के क्षेत्रों से पहुंची महिलाओं ने सामूहिक पूजा में भाग लिया। सामूहिक रूप से पूजा किए जाने से मंदिर परिसर में पूरे समय श्रद्धा और उत्साह का माहौल रहा। धार्मिक और लोक मान्यताओं के अनुसार भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाने वाला कमरछठ पर्व माताओं के लिए विशेष महत्व रखता है। इसे हलषष्ठी और हलछठ के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई भगवान बलराम से जुड़ा माना जाता है। बलराम जी के प्रमुख अस्त्र हल के कारण इस पर्व को हलषष्ठी कहा जाता है। इस दिन माताएं संतान की लंबी आयु और सुखी जीवन की कामना से व्रत रखती हैं।

लोक संस्कृति की दिखी सुंदर झलक

पूजा में सगरी, कांस सहित पारंपरिक पूजन सामग्री का विशेष महत्व रहा। छत्तीसगढ़ में कमरछठ के दौरान हल से जोते खेत में पैदा होने वाले अन्न से परहेज तथा पसहर चावल और छह प्रकार की भाजी ग्रहण करने की परंपरा भी निभाई जाती है। आयोजन में सरिता पटेल, खेमिन साहू, मनीषा पटेल, बिम्लेश्वरी साहू, गनेशिया यादव, मेनका साहू, गीतेश्वरी रावटे, चुनेश्वरी शिंदे, गौरी शिंदे, रीता रावटे सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

विश्वकर्मा समाज की बैठक में संगठन की मजबूती पर जोर

अंतागढ़। विश्वकर्मा समाज की सामाजिक गतिविधियों को गति देने एवं संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से मंगलवार 1 सितंबर को समाज की बैठक सुबह 11 बजे हुई, जिसमें समाज के पदाधिकारियों सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में समाज के विकास, संगठन की मजबूती, आपसी एकजुटता तथा सामाजिक हित से जुड़े विभिन्न विषयों

पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान समाज के सदस्यों ने आपसी समन्वय बढ़ाने के साथ ही युवाओं को संगठन से जोड़ने और उन्हें सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने पर भी विचार-विमर्श किया। बैठक में ताड़ोकी क्षेत्र के क्षेत्र अध्यक्ष देवलाल, अंतागढ़ क्षेत्र के क्षेत्र अध्यक्ष दिनेश तथा कोयलीबेड़ा क्षेत्र के अध्यक्ष हिरालाल सहित समाज के विभिन्न पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। समाज के वरिष्ठजनों ने संगठन को सक्रिय और सशक्त बनाने के लिए सभी सदस्यों से आपसी सहयोग एवं समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया। साथ ही आगामी सामाजिक कार्यक्रमों एवं संगठनात्मक गतिविधियों के सफल संचालन को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि समाज के सभी लोगों को एकजुट कर सामाजिक विकास एवं कल्याण की दिशा में बेहतर कार्य किया जाए।

खबर संक्षेप

स्पर्धा में एनएसएस ने हासिल किया प्रथम स्थान

दरभा। छिंदबहार राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत आयोजित रेड रिबन क्विज़ प्रतियोगिता में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छिंदबहार के स्वयंसेवकों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान हासिल कर विद्यालय एवं क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी प्रमोद कुमार मरावी के मार्गदर्शन में एनएसएस स्वयंसेवक भूमिका मौर्य एवं तनीश कश्यप ने प्रतियोगिता में सहभागिता की। दोनों स्वयंसेवकों ने कुल 50 प्रश्नों में से 46 प्रश्नों के सही उत्तर देते हुए 138 अंक प्राप्त किए और विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस शानदार उपलब्धि के लिए आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. नीतू मंडावी, राज्य नोडल अधिकारी, एड्स नियंत्रण छत्तीसगढ़ तथा कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सजीवन कुमार, शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर, जगदलपुर, जिला संगठक सुश्री मौसमी बिस्वास जिला बस्तर द्वारा विजेता स्वयंसेवकों को प्रमाण-पत्र एवं नगद पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य दीपक कुमार घोष ने दोनों स्वयंसेवकों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें आगामी राज्य स्तरीय रेड रिबन क्विज़ प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया तथा शुभकामनाएं दीं। इस उपलब्धि से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छिंदबहार के शाला परिवार में हर्ष एवं उत्साह का माहौल है। विद्यालय परिवार ने दोनों स्वयंसेवकों तथा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रमोद कुमार मरावी को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

महिलाओं ने धूमधाम से मनाया हलषष्ठी का पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गीदम

■ महिलाएं संतान की लंबी उम्र के लिए रखती है व्रत

नगर व आसपास के इलाकों में आज कमरछठ का पर्व धूमधाम से मनाया गया। कई जगह इसे हलषष्ठी के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल भाद्रपद माह की कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को यह पर्व मनाने की परंपरा है। विधि विधान से किया गया यह व्रत पूर्ण फल देने वाला और मनोकामनाएं पूर्ण करने वाला होता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान कृष्ण के बड़े भाई बलराम ने जन्म लिया था।

द्वापर युग में भगवान कृष्ण के जन्म से पूर्व शेषनाग ने बलराम के रूप में जन्म लिया था। बलराम हल और मूसल धारण करते हैं इसी कारण उन्हें हलधर भी कहते हैं। इस मौके पर सभी पुत्रवती महिलाएं पुत्रों की दीर्घायु और उनके उज्जवल भविष्य के लिए पूजा करती हैं और व्रत भी रखते हैं। इस व्रत में महिलाएं छोटे-छोटे मिट्टी के पात्रों या फिर पत्तों से बने हुए दोनों में पांच या सात प्रकार के भुने हुए अनाज रखती हैं और पूजा के बाद संतान को तिलक लगा कर उनमें वितरित किया जाता है। इस दिन सगरी खोदकर उसकी पूजा की जाती हैं।

सगरी के आसपास झावेरी पलाश कासा के पेड़ लगाते हैं और पूजा अर्चना करते हैं। महिलाएं हलषष्ठी का व्रत की कथा सुनती हैं इस व्रत से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। इस दिन गाय के दूध व दही का सेवन करना वर्जित है। इस दिन बिना हल चले धरती का अन्न व शाक भाजी खाने का विशेष महत्व है।

भानपुरी। सन्तान की लंबी उम्र और परिवार की सुख समृद्धि के लिए मनाये जाने वाला हल षष्ठी (कमरछठ) व्रत बुधवार को क्षेत्र मे बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। महिलाओ ने सगरी खोद जल अर्पित कर गौ माता औऱ बलराम की पूजा की।

कीचड़ भरे रास्तों से नक्सल पीड़ितों के घर पहुंचे डॉ. प्रेमा साईं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

■ 4 परिवारों तक पहुंचा सहयोग का संदेश, बांटी मदद और जगाया भरोसा

बस्तर के घने जंगलों और दुर्गम इलाकों में बारिश, कीचड़ और कठिन रास्तों के बीच मां मातंगी दिव्य धाम के पीठाधीश्वर डॉ. प्रेमा साईं जी महाराज नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचे। उद्देश्य था उनकी पीड़ा को करीब से समझना, उनका हालचाल जानना और जरूरत के समय उनके साथ खड़ा होना। यमपुर पामेड़ से लेकर नेलाकांकेर तक की इस यात्रा में जहां एक ओर रास्ते की मुश्किलों ने परीक्षा ली, वहीं दूसरी ओर पीड़ित परिवारों के चेहरों पर आई मुस्कान इस यात्रा की संवेदनशील तस्वीर बन गई।

यमपुर पहुंचने के दौरान बारिश और कीचड़ के कारण महाराज जी का काफिला मुश्किल में फंस गया। एक वाहन कीचड़ में फंस गया, जबकि काफिले की एक अन्य गाड़ी खराब हो गई। इसके बावजूद यात्रा नहीं रोकी गई। कठिन परिस्थितियों के बीच महाराज ग्रामीणों के बीच पहुंचे और नक्सल हिंसा में जान गंवाने वाले परिवारों से मुलाकात की। यमपुर और नेलाकांकेर की इस यात्रा में महाराज ने कुल 4 नक्सल पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। आर्थिक सहायता के साथ महिलाओं को साड़ी और बच्चों को कपड़े तथा शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। वहीं तिरुपति सोढ़ी की बेटी संध्या की शादी का पूरा खर्च उठाने की घोषणा ने इस यात्रा को एक अलग मानवीय आयाम दिया। बारिश, कीचड़, खराब वाहन और दुर्गम रास्तों की चुनौतियों के बावजूद अंदरूनी गांवों तक पहुंची यह यात्रा इस बात का संदेश देती नजर आई कि नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों को केवल राहत नहीं, बल्कि सम्मान, अपनत्व, विश्वास और भावनात्मक सहारे की भी जरूरत है।

ग्रामीणों से बातचीत के दौरान महाराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा का उल्लेख करते हुए उन्हें 'देव पुरुष' बताया। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों से बस्तर में शांति और सामान्य जीवन की उम्मीद मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि बस्तर में शांति और विकास की दिशा में हो रहे प्रयासों का सबसे बड़ा लाभ यहां के आम ग्रामीणों और नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों तक पहुंचना चाहिए। ग्राम यमपुर पामेड़ में डॉ. प्रेमा साईं जी महाराज ने नक्सल हिंसा में वर्ष 2025 में जान गंवाने वाले सुन्नम सम्मैया और वेक्को संदीप के परिवारों से मुलाकात की। सुन्नम सम्मैया की पत्नी नर्सम्मा और उनके दो छोटे बच्चों से महाराज जी ने बातचीत कर परिवार की स्थिति जानी। वहीं वेक्को संदीप की पत्नी आरती और उनके 9 वर्षीय पुत्र से भी मुलाकात की। दोनों परिवारों की परिस्थितियों को समझने के बाद महाराज ने 21-21 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की।

इसके साथ ही महिलाओं को साड़ी और बच्चों को कपड़े, कॉपी, पेन, कंपास बॉक्स व चप्पल वितरित की गई। ग्रामीणों को दिव्य कवच और भभूति भी प्रदान की गई। दुर्गम रास्तों की परेशानियों के बावजूद महाराज ने ग्रामीणों के बीच पर्याप्त समय बिताया। उन्होंने ग्रामीणों के साथ बैठकर भोजन किया और उनकी समस्याएं सुनीं।

बेटी संध्या की कन्यादान करेंगे महाराज

पीड़ित परिवार से बातचीत के दौरान महाराज ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि तिरुपति सोढ़ी की बेटी संध्या की शादी का पूरा खर्च वे स्वयं उठाएंगे और कन्यादान करेंगे। महाराज की इस घोषणा से परिवार के सदस्यों के साथ ग्रामीण भी भावुक हो उठे। इस पहल को आर्थिक सहायता से आगे बढ़कर एक परिवार की जिम्मेदारी अपने कंधों पर लेने के रूप में देखा गया। नेलाकांकेर में महाराज ने 23 वर्षीय रवि कट्टम के परिवार से भी मुलाकात की। रवि की वर्ष 2026 में नक्सल हिंसा में मृत्यु हुई थी। वे अपने परिवार की इकलौती संतान थे। परिवार की स्थिति जानने के बाद जी महाराज ने 31 हजार रुपये की सहयोग राशि प्रदान की और भविष्य में भी यथासंभव मदद का भरोसा दिलाया। नेलाकांकेर में सहायता वितरण के दौरान महाराज का बच्चों के प्रति आत्मीय व्यवहार भी देखने को मिला। उन्होंने बच्चों को कपड़े, स्कूल बैग, कॉपी, पेन, कंपास बॉक्स और चप्पल वितरित कीं। कई बच्चों के पैरों में उन्होंने स्वयं चप्पल पहनाई। बच्चों को अपने हाथों से चप्पल पहनाते और उन्हें दुलारते देखकर ग्रामीण भावुक हो गए। बच्चों के हाथों में स्कूल सामग्री और पैरों में चप्पल देखकर परिवारों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। बोले पीड़ित परिवारों को यह एहसास जरूरी कि वे अकेले नहीं महाराज ने कहा कि नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों की पीड़ा केवल उनकी व्यक्तिगत पीड़ा नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज की जिम्मेदारी है।

धान खरीदी के लिए एग्रीस्टेक पंजीयन अनिवार्य सह-खातेदारों का बकेट क्लेम भी जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दंतेवाड़ा

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में एग्रीस्टेक एवं बकेट क्लेम के तहत किसानों के पंजीयन की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में सभी अनुविभागीय अधिकारियों, कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, कृषि विस्तार अधिकारियों, भू-अभिलेख शाखा तथा समिति प्रबंधकों को किसानों का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ध्रुव ने स्पष्ट किया कि धान खरीदी वर्ष 2026-27 में धान बिक्री के लिए एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन तथा संयुक्त खातों में दर्ज सभी सह-खातेदारों का बकेट क्लेम एवं सहमति सत्यापन अनिवार्य होगा। उन्होंने लंबित बकेट क्लेम की संख्या पर नाराजगी व्यक्त करते हुए इसे प्राथमिकता से पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि जब किसी कृषि भूमि में एक से अधिक हिस्सेदार दर्ज होते हैं, तो उसे संयुक्त खाता कहा जाता है। ऐसे प्रत्येक हिस्सेदार के नाम से बकेट आईडी बनती है और उसे एग्रीस्टेक में पंजीकृत कराकर सहमति सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करना बकेट क्लेम कहलाता है। संयुक्त खाते के सभी हिस्सेदारों का सत्यापन पूर्ण होने के बाद ही धान खरीदी की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी।

कलेक्टर ने अधिकारियों एवं समिति प्रबंधकों को निर्देशित किया कि लंबित पंजीयन एवं बकेट क्लेम को समय-सीमा में पूरा करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएं। शिविरों में सह-खातेदारों का सत्यापन, ओटीपी के माध्यम से सहमति तथा पंजीयन की प्रक्रिया पूरी की जाए। कलेक्टर ध्रुव ने कहा कि पिछले वर्षों में संस्थागत पंजीयन वाले किसानों को दी गई विशेष छूट इस वर्ष समाप्त कर दी गई है। अब संस्थागत सहित सभी श्रेणी के किसानों का पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य है। बिना पंजीयन के किसान इस वर्ष धान विक्रय नहीं कर सकेंगे। उन्होंने समिति प्रबंधकों को सभी लंबित बकेट क्लेम तत्काल पूर्ण कराने के निर्देश दिए। संयुक्त खाते में दर्ज सह-खातेदार यदि किसी अन्य शहर या स्थान पर रहते हैं, तो उनके लिए भौतिक रूप से उपस्थित होना आवश्यक नहीं होगा। उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी भेजकर ऑनलाइन सहमति प्राप्त की जा सकती है। कलेक्टर ने सभी सह-खातेदारों का सत्यापन अनिवार्य रूप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

शिक्षक को मिला लोक धरोहर सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोंड

छत्तीसगढ़ प्रदेश लोक कलाकार कल्याण संघ के तत्वावधान में लोक कला के साधकों को समर्पित लोकधरा गौरव सम्मान वार्षिक प्रदेश स्तरीय लोक कला अलंकरण समारोह का आयोजन महामाया मंदिर सत्संग भवन पुरानी बस्ती रायपुर में किया गया।

इस समारोह में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे लोक कलाकारों ने अपनी उपस्थिति से आयोजन को लोक संस्कृति के रंगों से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ शासन की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने दीप प्रज्वलित कर किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर सिंह पटेल उपस्थित रहे। समारोह में लोक कलाकार कल्याण संघ के

प्रदेश अध्यक्ष गुरुदास मानिकपुरी, प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश गुप्ता एवं प्रदेश सचिव हृदय अनंत सहित विभिन्न जिलों के जिला अध्यक्ष, पदाधिकारी और लोक कलाकार मौजूद रहे। प्रदेश स्तरीय इस आयोजन में बस्तर जिले के 10 लोक कलाकारों को विभिन्न लोक कलाओं में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान-पत्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

बस्तर के कलाकारों का सम्मान जिले की समृद्ध लोक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के प्रति उनके निरंतर योगदान की पहचान के रूप में देखा गया। इसी कड़ी में बस्तर विकासखंड के माध्यमिक शाला इच्छापुर में शिक्षक एलबी के पद पर पदस्थ महेंद्र सिंह ठाकुर को पारंपरिक लोक कला के संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए लोक धरोहर सम्मान' से सम्मानित किया गया। बस्तर के 10 कलाकारों को मिले सम्मान और शिक्षक महेंद्र सिंह ठाकुर को प्रदान किया गया 'लोक धरोहर सम्मान' जिले के लिए गौरव का विषय बना।

नवप्रवेशित छात्रों को दिए सफलता के मंत्र

गीदम। वीरांगना मासक देवी नाग शासकीय आदर्श महाविद्यालय एवं कला और संगीत महाविद्यालय जावंगा में प्राचार्य डॉ. विवेक शर्मा के मार्गदर्शन में दीक्षारंभ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करना और उन्हें महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण से परिचित कराना था। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना के साथ हुई। प्राचार्य डॉ. विवेक शर्मा ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन, निरंतर मेहनत और सकारात्मक सोच का मूलमंत्र दिया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय केवल डिग्री प्राप्त करने का स्थान नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का केंद्र है। इस अवसर पर एनईपी नोडल अधिकारी सुरेंद्र कुमार माहला ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के फायदों और बहुविषयक शिक्षा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों को अपने पसंद के विषय चुनने और कौशल आधारित शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है।

विद्यार्थियों को सौंपे गए नेतृत्व के दायित्व, दिलाई गई कर्तव्य एवं निष्ठा की शपथ

बीजापुर। केंद्रीय विद्यालय बीजापुर में बुधवार को हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, जिम्मेदारी एवं कर्तव्य भावना का विकास करना रहा। समारोह के मुख्य अतिथि कुणाल कुमार , उप कमांडेंट, 229 बटालियन, सीआरपीएफ रहे। कार्यक्रम में दशरथ जी, प्रभारी प्राचार्य, केंद्रीय विद्यालय बीजापुर तथा विशेष अतिथि बलजिंदर, मेंटर, केंद्रीय विद्यालय बीजापुर एवं प्रभारी प्राचार्य, केंद्रीय विद्यालय किरंदुल उपस्थित रहे। समारोह के दौरान विभिन्न सदनों एवं छात्र पदों के लिए चयनित विद्यार्थियों को पद एवं दायित्व प्रदान किए गए तथा उन्हें कर्तव्य एवं निष्ठा की शपथ दिलाई गई। विद्यार्थियों ने विद्यालय की गरिमा, अनुशासन एवं मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लिया।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर होंगे विविध कार्यक्रम

दंतेवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण के अध्यक्ष देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार तथा जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एम. भार्गव के मार्गदर्शन में जिले में 1 से 15 सितंबर तक साक्षरता पखवाड़ा एवं 8 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का आयोजन किया जा रहा है। भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय के निर्देशानुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप सभी के लिए शिक्षा पर केन्द्रित उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत यह आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान, महत्वपूर्ण जीवन कौशल, बुनियादी शिक्षा, व्यावसायिक कौशल तथा सतत शिक्षा जैसे पांच प्रमुख घटकों पर आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जिला शिक्षा अधिकारी एवं सदस्य सचिव, जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण, दंतेवाड़ा प्रमोद ठाकुर ने बताया कि साक्षरता पखवाड़े के आयोजन की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

स्नेह, विश्वास से बहनों ने विधायक को बांधी राखी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोंड

बस्तर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत पोलेबेड़ा में रक्षाबंधन के पावन अवसर पर रक्षाबंधन मिलन समारोह का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष एवं बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल के प्रति क्षेत्र की माताओं-बहनों का अपार स्नेह और जनआशीर्वाद इस समारोह में देखने को मिला।

बारिश के मौसम के बावजूद बड़ी संख्या में माताएं-बहनें एवं क्षेत्रवासी कार्यक्रम में शामिल हुए और भाई-बहन के इस पवित्र रिश्ते को आत्मीयता के साथ मनाया। कार्यक्रम स्थल पहुंचने से पूर्व ही विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों द्वारा विधायक लखेश्वर बघेल का गाजे-बाजे के साथ आत्मीय स्वागत किया गया बस्तर की पारंपरिक वेशभूषा में सजी माताओं-बहनों ने स्थानीय कला, संस्कृति एवं परंपराओं की मनमोहक प्रस्तुति के साथ अपने भाई का स्वागत किया। जगह-जगह मिले इस आत्मीय स्वागत और स्नेह से पूरा वातावरण भावनाओं एवं उत्साह से भर उठा। बस्तर विधायक ने सभा स्थल पहुंचकर उपस्थित माताओं-बहनों एवं क्षेत्रवासियों का अभिवादन स्वीकार किया। उन्होंने बारिश के मौसम में भी इतनी बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अपना स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद देने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। रक्षाबंधन मिलन समारोह में बहनों ने विधायक को राखी बांधकर उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इस अवसर पर लखेश्वर बघेल ने कहा कि पोलेबेड़ा में जिस तरह माताओं-बहनों और क्षेत्रवासियों की यह विशाल उपस्थिति दिखाई दे रही है, वह मेरे लिए अत्यंत भावुक और गौरव का क्षण है। जब मैं वर्ष 1999-2000 में इस क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य निर्वाचित हुआ था, तभी मन में यह विचार आया था कि रक्षाबंधन जैसे पवित्र पर्व को क्षेत्र की बहनों के साथ भाई-बहन के रिश्ते के रूप में मिलकर मनाया जाए।

उस समय इसकी शुरुआत छोटे स्तर पर हुई थी और क्षेत्र की आबादी भी काफी कम थी, लेकिन आज इतने वर्षों बाद इस आयोजन में उमड़ रहा जनसैलाब यह बताता है कि उस समय की गई छोटी-सी पहल आज स्नेह और विश्वास के एक बड़े रिश्ते में बदल चुकी है। उन्होंने कहा कि समय बहुत बलवान होता है और निरंतर प्रयास एवं लोगों के साथ आत्मीय जुड़ाव का परिणाम आज इस आयोजन में दिखाई दे रहा है।

सिद्धिविनायक बच्चों का अस्पताल
अंबेडकर चौक के पास, रूद्री रोड, धमतरी मो. 9981321524, 7223011528
'आपके बच्चे का स्वास्थ्य हमारे हाथ'
डॉ. विजय रावत (MBBS/DCH)
नवजात शिशु एवं बालरोग विशेषज्ञ (पूर्व चिकित्सक चंडीगढ़)
24 घंटे भर्ती सुविधा : एनआईसीयु • आईसीयु • पीडियाट्रिक वार्ड • टीकाकरण • ओपीडी

HEALTH TOWN

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल
मैटरनिटी, चिल्ड्रन्स एवं सर्जिकल हॉस्पिटल
उपलब्ध सुविधाएं
• गर्भवती महिलाओं की संपूर्ण जांच व परामर्श नार्मल एवं सीजेरियन डिलीवरी
• एवं बच्चेदानी का ऑपरेशन व नसबंदी
• सर्वसुविधायुक्त PICU, NICU, OT
• बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हर्निया, हाईड्रोसील, सरकम सीजन की सुविधा
• आयुष्मान कार्ड और CSEB से कैशलेस उपचार,
• TPA की सुविधा
माँ और शिशु का विश्वास
डॉ. सी.पी.सिंह (एमबीबीएस, एमडी) शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ
डॉ. नीलिमा सिंह (एमबीबीएस, डी.जी.ओ.) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
9009553889, 9090204620
एकता नगर, अम्बेडकर चौक के पास, गुढ़ियारी रायपुर
ब्रांच : मातृ स्मृति मंगल बाजार, गायत्री मंदिर के सामने, गुढ़ियारी, रायपुर

BHASKAR EYE CARE
भास्कर आई केयर
कालामोतिया नजर चुराता है और दर्द भी नही होता!
डॉ. दिलीप लालवानी
नेत्र रोग विशेषज्ञ
फेको सर्जन एवं ग्लूकोमा विशेषज्ञ
MOORFIELDS EYE HOSPITAL, LONDON
ARAVIND EYE HOSPITAL, COIMBATORE
प्रदेश के प्रसिद्ध ग्लूकोमा विशेषज्ञ द्वारा सम्पूर्ण कालामोतिया जांच एवं उपचार
लेजर एवं बिना टांकों की ग्लूकोमा MIGS सर्जरी • आंखों की सूखती नस का इलाज
EYE PRESSURE (IOP) • GONIOSCOPY • OCT & FIELD TEST
निरंकारी सत्संग भवन के पास, हिंद स्पोर्ट्स फुटबॉल ग्राउंड के पास, ईदगाह भाठा, रायपुर (छ.ग.) 07714024989 | 9329124989

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
फाफाडीह, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777
मूत्र रोग एवं सर्जरी
किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज
प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज
यौन संबंधी समस्याएं
महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं
DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery
आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

पाइल्स
पाइल्स का इलाज, एक लेप, द्वारा मस्से को गला कर जड़ से इलाज किया जाता है।
समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
9039050422, 9179455561
सरस्वती दाल मिल के सामने, गली नं. 3, अशोक विहार, पंडरी रायपुर। मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, फाफाडीह मेन रोड, रायपुर।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

महिला लापता, अपहरण की आशंका पर मामला दर्ज

कांकेर। पखांजूर थानांतर्गत ग्राम पीव्ही-07 छोटेकापसी निवासी 30 वर्षीय तापसी दास 31 अगस्त की सुबह घरेलू विवाद के बाद अपने दो बच्चों को घर पर छोड़कर मायके जाने की बात कहकर निकली थी, लेकिन मायके नहीं पहुंची। परिजनों ने आसपास, रिश्तेदारों और संभावित स्थानों पर तलाश की, मगर उसका कोई सुराग नहीं मिला। पति श्रीवास दास की रिपोर्ट पर थाना पखांजूर में 1 सितंबर को गुम इंसान क्रमांक 37/2026 दर्ज किया गया। परिजनों के बयानों में महिला के किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपहरण/व्यपहरण किए जाने की आशंका जताई गई है। पुलिस ने प्रथम दृष्टया धारा 140(3) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तापसी दास का हुलिया रंग गोरा, कद करीब 5 फीट 2 इंच, लंबे काले बाल। घटना के समय लाल रंग की साड़ी पहने थी तथा कान में सोने की ईयर रिंग और नाक में नथुनी पहने हुए थी। वह कक्षा 12वीं तक शिक्षित है और हिंदी व बांग्ला भाषा बोलती है। पुलिस द्वारा महिला की तलाश की जा रही है।

कांकेर वन विभाग में अफसरों के तबादले

कांकेर। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने प्रशासनिक व्यवस्था में बदलाव करते हुए सहायक वन संरक्षकों एवं वन अधिकारियों के स्थानांतरण आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार जसवीर सिंह मरावी को वनमंडल कांकेर में उप वनमंडलाधिकारी कांकेर तथा आकाश ठाकुर को उप वनमंडलाधिकारी कोरर पदस्थ किया गया है। लखेकर कुमार गिलहरे को जिला यूनियन कांकेर में उप प्रबंध संचालक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दूसरी ओर कांकेर से आ।एस मरकाम का वृत्त कार्यालय कांकेर में उप प्रबंधक पद पर तथा नुसरत सबा का जिला यूनियन गरियाबंद में तबादला किया गया है। आदेश 2 सितंबर 2026 को जारी हुआ।

शिक्षक बंशीपद सेवानिवृत्ति के बाद भी शिक्षा की जगा रहे अलख

निःस्वार्थ भाव से स्कूलों में पहुंचकर पढ़ा रहे सभी विषय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पखांजुर

आमतौर पर सेवानिवृत्ति के बाद लोग आराम और परिवार के साथ समय बिताने को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन शिक्षक बंशीपद देवनाथ ने सेवानिवृत्ति के बाद भी शिक्षा के प्रति अपने समर्पण को जारी रखा है। वर्ष 2022 में शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने घर बैठने के बजाय अपना समय विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने में लगाने का संकल्प लिया। आज वे विभिन्न स्कूलों में पहुंचकर छात्र-छात्राओं को निःस्वार्थ भाव से विभिन्न विषयों की शिक्षा दे रहे हैं।

शिक्षक बंशीपद देवनाथ का मानना है कि शिक्षक के लिए सेवानिवृत्ति केवल नौकरी से होती है, शिक्षा देने की जिम्मेदारी से नहीं। वे कहते हैं कि जब तक शरीर स्वस्थ है और पढ़ाने की क्षमता है, तब तक विद्यार्थियों के बीच रहकर उन्हें ज्ञान देना ही उनके जीवन का उद्देश्य है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 में सेवानिवृत्त होने के बाद जब वे घर पर रहने लगे तो उन्हें स्वयं को बेरोजगार जैसा महसूस होने लगा। इसके बाद उन्होंने तय किया कि अपने अनुभव और ज्ञान का उपयोग विद्यार्थियों के हित में किया जाए। इसी सोच के साथ वे अलग-अलग स्कूलों में जाकर बच्चों को पढ़ाने लगे। उनका कहना है कि एक शिक्षक के नाते विद्यार्थियों को शिक्षा देना ही मेरी सेवा है। मैं इसे नौकरी नहीं, बल्कि अपनी जिम्मेदारी और जनसेवा मानता हूं।

बच्चों को भी आते हैं पसंद

विद्यार्थियों का कहना है कि सेवानिवृत्ति के बाद भी शिक्षक बंशीपद देवनाथ जिस लगन और उत्साह के साथ पढ़ाते हैं, वह उनके लिए प्रेरणादायक है। उनका अनुभव और मार्गदर्शन पढ़ाई में काफी मददगार साबित हो रहा है। उनके पढ़ाने का सरल और प्रभावी तरीका विद्यार्थियों को काफी पसंद आ रहा है। वे कठिन से कठिन विषय को भी आसान उदाहरणों और सहज भाषा में समझाने का प्रयास करते हैं।

पर्दे हटाने से लेकर नेम प्लेट लगाने तक के निर्देश, लापरवाही पर तीन कर्मचारियों को नोटिस

कलेक्टोरेट शाखाओं में अचानक पहुंचे कलेक्टर, देखी व्यवस्था व दी हिदायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कांकेर

कलेक्टोरेट परिसर में बुधवार को उस समय अफरा-तफरी की स्थिति बन गई, जब कलेक्टर कुंदन कुमार बिना पूर्व सूचना के विभिन्न कार्यालयों के निरीक्षण पर पहुंच गए। कलेक्टर ने एक-एक कर शाखाओं में पहुंचकर कर्मचारियों की उपस्थिति, कार्यालयीन अनुशासन, साफ-सफाई और कामकाज की व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जहां उन्होंने बेहतर व्यवस्था के लिए जरूरी निर्देश दिए, वहीं कार्यालयीन अनुशासन में कमी पाए जाने पर तीन कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने कलेक्टोरेट परिसर स्थित विभिन्न शाखाओं का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दायित्वों का ईमानदारी, गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न कार्यालयों में लगे पर्दों को हटाने के निर्देश दिए और कार्यालयीन वातावरण को अधिक पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने पर जोर दिया। कलेक्टर ने भू-अभिलेख शाखा तथा राजस्व निरीक्षक नजूल शाखा का निरीक्षण कर वहां की कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को कार्यों का समयबद्ध और जिम्मेदारीपूर्वक निराकरण करने की समझाइश दी। आम नागरिकों से जुड़े प्रकरणों में संवेदनशीलता और तत्परता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि लोगों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इसके बाद उन्होंने जनगणना शाखा का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने प्लेसमेंट कर्मचारियों की संख्या, कार्यालयीन व्यवस्थाओं और जनगणना कार्य प्रारंभ होने संबंधी जानकारी ली। शाखा में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के साथ अभिलेखों एवं सामग्री को आलमारियों में व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। कुर्सी-टेबल सहित अन्य कार्यालयीन व्यवस्थाओं को भी सुव्यवस्थित रखने और कर्मचारियों को अनुशासन का पालन करने कहा।

कोषालय में पेंशन प्रकरणों पर विशेष जोर

कलेक्टर ने जिला कोषालय कार्यालय का निरीक्षण करते हुए कोषालय अधिकारी से कार्यालय के कार्यों, प्राप्त होने वाले बिलों और उनके निराकरण की जानकारी ली। उन्होंने विभिन्न गतिविधियों की जानकारी व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। पेंशन से संबंधित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण करने कहा, ताकि पेंशन हितग्राहियों को अनावश्यक विलंब का सामना न करना पड़े।

हर कर्मचारी के लिए नेम प्लेट अनिवार्य

स्थापना शाखा के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कार्यालयीन अनुशासन और व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कर्मचारियों को अपने नाम और पदनाम की नेम प्लेट लगाने के निर्देश दिए, ताकि कार्यालय आने वाले नागरिकों को संबंधित कर्मचारी और उनके दायित्व की जानकारी आसानी से मिल सके।

तीन कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस

आकस्मिक निरीक्षण के दौरान कार्यालयीन अनुशासन में कमी पाए जाने पर कलेक्टर ने राजस्व निरीक्षक नजूल शाखा के एक राजस्व निरीक्षक, जिला कोषालय के एक सहायक ग्रेड-01 तथा स्थापना शाखा के एक सहायक ग्रेड-03 को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी शाखाओं में स्वच्छ, व्यवस्थित और अनुशासित वातावरण सुनिश्चित करने तथा अधिकारी-कर्मचारियों को अपने दायित्वों का समयबद्ध एवं जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए।

जर्जर स्कूल भवनों का बीईओ व बीआरसी ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्गूकोंदल

विकासखंड दुर्गूकोंदल में जर्जर एवं क्षतिग्रस्त स्कूल भवनों की स्थिति का जायजा लेने के लिए खंड शिक्षा अधिकारी विप्लव कुमार सिंह डे एवं खंड स्त्रोत समन्वयक लतीफ सोम ने विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने प्राशा सलिहापारा तरहूल, प्राशा तरहूल तथा पोटाकेबिन हाईस्कूल आमागढ़ का दौरा कर विद्यालय भवनों की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण किया।

जर्जर भवनों को लेकर संबंधित ग्रामों के सरपंचों एवं ग्रामीणों से चर्चा करते हुए विद्यार्थियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों ने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और जर्जर भवनों में बच्चों की पढ़ाई को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। निरीक्षण के दौरान प्राथमिक शाला तरहूल में एकल शिक्षकीय व्यवस्था पाए जाने पर अधिकारियों ने संकुल प्राचार्य एवं संकुल समन्वयक को आवश्यक निर्देश दिए। विद्यालय में शैक्षणिक व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए संकुल स्तर से शिक्षक व्यवस्था करने हेतु निर्देशित किया गया, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। अधिकारियों ने विद्यालयों में शैक्षणिक अभिलेखों एवं आवश्यक दस्तावेजों का भी अवलोकन किया।

बीईओ एवं बीआरसी ने शिक्षकों से कहा कि विद्यालयों में नियमित रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षण कार्य सुनिश्चित किया जाए तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। ग्रामीणों के साथ चर्चा कर वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार किए जाने से बच्चों की पढ़ाई निरंतर जारी रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने संबंधित विद्यालयों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और शैक्षणिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विभागीय स्तर पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही।

■ वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों से की चर्चा

बीएसएफ में चयन के बाद पहली बार गांव पहुंचने पर परमेश का ग्रामीणों ने किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्गूकोंदल

ब्लॉक मुख्यालय से सुदूर स्थित ग्राम सिलपट के होनहार युवा परमेश कुमार मंडावी का सीमा सुरक्षा बल में चयन होने के बाद प्रशिक्षण के दौरान पहली बार छुट्टी पर अपने गृहग्राम पहुंचने पर ग्रामीणों ने गर्मजोशी और आत्मीयता के साथ भव्य स्वागत किया। परमेश के गांव पहुंचते ही ग्रामीणों और बच्चों में खुशी की लहर दौड़ गई।

गांव की सीमा में परमेश के प्रवेश करते ही ग्रामीणों और बच्चों ने तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। लोगों ने फूल-मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया और गले मिलकर चयन पर बधाई दी। इस दौरान ग्रामीणों ने परमेश के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें देश सेवा के लिए शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया। परिवार के साथ-साथ पूरे गांव के लिए यह क्षण गर्व और खुशी से भरा रहा। ग्राम सिलपट जैसे सुदूर क्षेत्र से निकलकर परमेश कुमार मंडावी का बीएसएफ में चयन होना न केवल उनके परिवार और गांव, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। सीमित संसाधनों के बीच मेहनत, लगन और दृढ़ इच्छाशक्ति के दम पर परमेश ने यह उपलब्धि हासिल की है। उनकी सफलता गांव के युवाओं और स्कूली बच्चों के लिए प्रेरणा बन गई है। अपने ही गांव के युवा को वर्दी में देश सेवा की ओर बढ़ते देखकर बच्चों में विशेष उत्साह नजर आया। ग्रामीणों का कहना है कि परमेश ने साबित किया है कि संसाधनों की कमी प्रतिभा और सपनों की राह में बाधा नहीं बन सकती। मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण के बल पर कठिन से कठिन मंजिल भी हासिल की जा सकती है। परमेश के परिजनों और ग्रामीणों ने कहा कि उनका बीएसएफ में चयन पूरे सिलपट गांव के लिए गौरव का विषय है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि परमेश पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ देश की सेवा करेंगे तथा क्षेत्र के अन्य युवाओं को भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे। ग्रामीणों ने कहा कि सुदूर अंचल में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत है तो केवल सही दिशा, मेहनत और अवसर की।

मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण समारोह 5 को

जगदलपुर। मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण योजना अंतर्गत 2026 का आयोजन प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 5 सितम्बर को शहर के श्यामा प्रसाद मुखर्जी टाउन हॉल में आयोजित किया जाएगा। कार्यालय संयुक्त संचालक शिक्षा बस्तर संभाग द्वारा पुरस्कार अलग-अलग श्रेणी में दिया गया है। शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक एचआर सोम ने बताया कि उत्कृष्ट अध्यापन कार्य कराने वाले बस्तर संभाग के 7 जिले से एक-एक प्राचार्य, शासकीय हाईस्कूल, हायर सेकेण्डरी स्कूल 7 प्राचार्य संभाग के 7 जिले के 32 विकासखण्ड से प्रत्येक विकासखण्ड से एक-एक प्रधान पाठक प्राथमिक शाला एवं प्रत्येक विकासखण्ड से एक-एक प्रधान पाठक माध्यमिक शाला 64 प्रधान अध्यापक, प्राथमिक, माध्यमिक शाला को एवं शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया जाएगा। बस्तर संभाग अंतर्गत 7 जिलों से शिक्षा श्री पुरस्कार हेतु प्राप्त प्रस्ताव का संभाग स्तरीय चयन समिति द्वारा चयनित उत्कृष्ट अध्याप्नन कार्य करने के लिए 3 व्याख्याता को सम्मानित किया जाएगा।

बस संचालकों की बैठक में सुरक्षित यात्रा पर जोर

कांकेर। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से यात्री बस संचालकों की बैठक पुलिस अधीक्षक कार्यालय में हुई आयोजित की गई।

बैठक में बसों को निर्धारित गति सीमा में चलाने, चालक-परिचालक का आवश्यक सत्यापन कराने तथा निर्धारित ड्रेस में ड्यूटी करने के निर्देश दिए गए। प्रत्येक बस में चालक एवं बस मालिक का नाम और मोबाइल नंबर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने को कहा गया। अधिकारियों ने घड़ी चौक, सेन चौक, बरदेभाटा चौक, ज्ञानी चौक, बस स्टैंड एवं मस्जिद चौक सहित निर्धारित स्टॉपिंग स्थलों पर ही यात्रियों को चढ़ाने-उतारने के निर्देश दिए। साथ ही प्रत्येक बस में किराया सूची चस्पा करने, यात्रियों के सामान की सुरक्षित व्यवस्था और यात्रियों से शालीन व्यवहार सुनिश्चित करने को कहा गया। यातायात पुलिस एवं आरटीओ विभाग द्वारा यात्री बसों की नियमित जांच और सतत निगरानी की जाएगी। नियमों का उल्लंघन मिलने पर बस संचालक, चालक अथवा परिचालक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू, यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक दीपक साव एवं आरटीओ कांकेर प्रकाश रावटे सहित जिले के बस संचालक उपस्थित रहें।

तुरंत आराम के लिए
तुलसी आयुर्वेदिक चिकित्सालय
पता - तुलसी निवास, बस स्टैंड के पीछे, उपाध्याय नर्सिंग होम के सामने, धमतरी मो.नं. : 9993010732
लकवा रोग, वातरोग - सभी प्रकार के दर्द, गठियाबात, साइटिका, झुनझुनी वात, कमरदर्द, घुटना दर्द, अकड़न, नस रोग का इलाज
चर्मरोग - दाद, खुजली, चमेचौ, मुंह में छाला होना का इलाज
पेट रोग - कब्ज, गैस, भूख न लगना, खट्टी डकार आना का इलाज
बवासीर - मस्सा होना, खून निकलना, खुजली होना का इलाज
पुरूष रोग - धातुस्राव, शीघ्रपतन व कमजोरी का इलाज
स्त्री रोग - लाल, सफेद पानी आना, मासिक रुकावट का इलाज
बुखार, खांसी, स्वांसरोग, मूत्ररोग, केशरोग, दांतरोग का इलाज